मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है।
इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है।

- बोधराज सीकरी

दैनिक भास्कर
12 गुरुवार,16 मार्च,2023 नोएडा
गाजियाबाद
गुरूग्राम/मानेसर

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प: बोधराज सीकरीग

मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

भास्कर ब्यूरो

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीस पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा।

Email : thedailymewat@yahoo.co.in

दैनिक मेवात

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, सराई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर चार आना मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धार्मिक, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 63 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 4 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही हमारा उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी। बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान बलदेव कथूरिया प्रधान, श्यामलाल अदलखा, रमेश कुमार, अमित कुमार, सतीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, सतीश ग्रोवर, चार आना मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासुदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी दुरेजा, गणेश गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले संकल्प 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदय भान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

उत्तर भारत का सम्पूर्ण समाचारपत्र
ऑनलाइन संस्करण
www.dainiktribuneonline.com
दैनिक ट्रिब्यून

हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी

गुरुग्राम,15 मार्च (निस)

मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इससे समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

- मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे
- वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीस पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

राष्ट्रीय सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृत संकल्पित : बोधराज

गुरुग्राम (एसएनबी)। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे है। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री .ष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर काम करें।

गुरुग्राम केसरी

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्पः बोधराज सीकरी

- मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे
- वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी

मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ कराने पहुंचे बोधराज सीकरी व उनके साथ मौजूद श्रद्धालु।

गुड़गांव, 15 मार्च (ब्यूरो): मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की।

बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीस पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ।

हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया।

www.gurgaontoday.in

गुड़गांव टुडे

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

- **मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे।**
- **वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी।**

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ करने के दौरान मंदिर में श्रद्धालु।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की।

बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीस पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृत संकल्पित : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ करने के दौरान मंदिर में श्रद्धालु।

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है।

गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामलाल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश बग्गा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना अभी शुरू हो गई है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्पः बोधराज सीकरी

मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता
सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया।

21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीस पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का

■ **वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी**

समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

RNI No. UPHIN/2013/53868

: 8

बुलंद खोज

सम्पादक-संजय सार्थक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प –बोधराज सीकरी

मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे
वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी

कार्यक्रम में शामिल बोधराज सीकरी व अन्य

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि ये समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी। बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीस पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथुरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

राष्ट्रीय दैनिक
संस्थापक अमर कर्मयोगी स्व. श्री तिलकराज जी भाटिया
॥ फानूस बनके जिसकी हिफाजत हवा करे, वो शमां क्या बुझे जिसे रोशन खुदा करे ॥
जगत क्रान्ति

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

जगत क्रान्ति ⏭ एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी। बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीस पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गावा ने बखूबी किया।

अमर भारती
एक उम्मीद

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्पः बोधराज सीकरी

मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीस पाठ का आयोजन

● अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है।

प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

दैनिक
राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र
उजाला आज तक

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प: बोधराज सीकरी

गुरुग्राम भगत शर्मा उजाला आज तक

मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में

हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीस पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा।

ज्योति दर्पण

Website : www.jyotidarpan.com

हिन्दी दैनिक

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्पः बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

राष्ट्रीय दैनिक ई-पेपर

भारत सारथी

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी

भारत सारथी

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण का, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकला अटलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश शर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान बलदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष नाथा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मेंद्र बजाज, रमेश कालरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा, नरेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना अभी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

गुरुग्राम

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

-मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

-वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रहम देव कथूरिया प्रधान, श्यामकला अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा भजनों रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी टुटेजा, नरेंद्र गोसाईं, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

Viral Sach

POLITICS

Bodhraj Sikri – युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प

VIRAL SACH · March 15, 2023 · No Comments · 4 · 2 minute read

Viral Sach : Bodhraj Sikri – मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया।

इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे, वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी

गुरुग्राम(राकेश)। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीस पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्पः बोधराज सीकरी

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21–21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी। बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीास पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।